साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 49 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 17 जुलाई से 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

सट्टापट्टी लेने वाले को पकड़ा

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत ग्राम बाजारवाड़ी में सट्टापट्टी लेने वाले आरोपी निखिल भिमराव बडोले (31) को पकड़ा गया. उसके पास से 1 हजार 180 रु. नकद, 2 कम्प्यूटर, प्रिंटर ऐसे कुल 20 हजार 182 रु. का माल जब्त किया गया है. फिर्यादी श्रीहरी नीलकंठ कोरे की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

छत्रपति संभाजीनगर स्थित बाल सुधार गृह मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

बुलंद गोंदिया। मुंबई/छत्रपति संभाजीनगर स्थित विद्यादीप बाल सुधार गृह में नाबालिग लड़कियों के साथ हुए अत्याचार बेहद गंभीर मामला है। इसमें जिस तरह की बातें सामने आई हैं, वे बेहद भयावह हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और संबंधित जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को तत्काल निलंबित किया जाएगा। इस संबंध में विधान परिषद सदस्य श्रीमती चित्रा वाघ और विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस मामले की जाँच के लिए तीन वरिष्ठ महिला पुलिस निरीक्षकों की एक समिति बनाई गई है और उन्होंने 80 लड़कियों से बातचीत की है। शुरुआत में वे बात करने को तैयार नहीं थीं, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने मामले के बारे में कुछ गंभीर जानकारी दी। इसके बाद, इस मामले में मामला दर्ज कर लिया गया है और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, ऐसा मुख्यमंत्री ने कहा। मुख्यमंत्री

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि संबंधित संस्थान की मान्यता रद्द कर दी जाएगी। इस पर गठित समिति की अंतिम रिपोर्ट जल्द ही प्राप्त होगी, जिसके बाद दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि उच्च न्यायालय ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है और एक विशेष निरीक्षक नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय की कार्यवाही के साथ-साथ सरकार एक स्वतंत्र जांच भी कर रही है। अगर कोई भी व्यक्ति इसमें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। किसी का भी समर्थन नहीं किया जाएगा, ऐसा मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा।

20 संचालक मिलकर नए अध्यक्ष का करेंगे चुनाव

जिला मध्य. सहकारी बैंक अध्यक्ष का चुनाव 19 को

गोंदिया-जिला डिस्ट्रक्ट सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक के 20 संचालकों के पद पर 30 जून को मतदान होने के बाद 20 संचालकों में से राष्ट्रवादी कांग्रेस और भाजपा गठबंधन के सहकार पैनल को 11 सीटों पर जीत हासिल हुई, जबकि वहीं 2 निर्दलीय व कांग्रेस के परिवर्तन पैनल के 7 सदस्यों ने जीत दर्ज की. चुनाव में इन परिस्थितियों में अब अध्यक्ष पद पर चुनाव संपन्न होना है, जिसके लिये 20 संचालक मिलकर नए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे. अध्यक्ष पद के लिये आखिरकार चुनाव की तारीख की घोषणा कर दी गई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला बैंक अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 19 जुलाई को दोपहर 1 बजे से शाम 4.30 बजे के बीच संपन्न होगा. सहकार पैनल के पास जहां 13 सदस्यों का समर्थन है, वहीं परिवर्तन पैनल 7 सीटों पर सिमट गया और परिवर्तन पैनल की उम्मीदों पर दो निर्दलीय सदस्यों ने पानी फेर दिया, जबकि वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन की रणनीति और उनके नेतृत्व में सहकार पैनल की ताकत और बढ़ गई. वर्तमान में जीडीसीसी बैंक अध्यक्ष के चुनाव में भी इस तरह की परिस्थितियां स्पष्ट है, जिसमें यह तय है कि अध्यक्ष पद पर सहकार पैनल का उम्मीदवार घोषित किया जायेगा.

अवैध रेत खनन कर रहे टिप्पर जब्त

गोंदिया-तिरोड़ा तहसील के ग्राम मुंडीकोटा में जेसीबी व टिप्पर को अवैध रेत खनन करते हुए पकड़ा गया. इस कार्रवाई में कुल 30 लाख 24 हजार रु. का माल जब्त किया गया है. पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. जानकारी के अनुसार, तिरोड़ा थाने के सिपाही नितेश धनराज नंदनवार अपने स्टॉफ के साथ गश्त पर थे. इसी बीच ग्राम मुंडीकोटा में बिना क्र. की जेसीबी की मदद से टिप्पर क्र. एमएच 36 एफ 2939 में अवैध रेत भरते हुए पाया गया. पुलिस ने 10 लाख रु. कीमत का टिप्पर, 20 लाख रु. कीमत की जेसीबी व 24 हजार रु. कीमत की चार ब्रास रेत ऐसे कुल 30 लाख 24 हजार रु. का माल जब्त किया है. फिर्यादी सिपाही नितेश नंदनवार की शिकायत पर खैरलांजी निवासी आरोपी आकाश फागुलाल कटरे (28), नवेगांव निवासी अभय सोमरतन निशाने (22) व मुंडीकोटा निवासी कृष्णा भांडारकर (45) के खिलाफ तिरोड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक कोंडे कर रहे हैं.

एसटी बस चालक की लापरवाही से स्कूली छात्र घायल

आमगांव-गुरु पूर्णिमा के दिन गांव जाने के लिए एसटी बस में चढ़ते समय चालक की लापरवाही के कारण एक स्कूली छात्र सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया. 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले 13 वर्षीय स्कूली छात्र के पैर की हड्डी टूटने से कुछ महीनों के लिए शिक्षा से वंचित होना पड़ेगा. गंभीर रूप से घायल छात्र का नाम देवरी निवासी आर्यन शिशुपाल नागदेवे बताया गया है. जानकारी के अनुसार, गांवों से कई छात्र शिक्षा प्राप्त करने के लिए एसटी बस से यात्रा करते हैं. आमगांव तहसील के आदर्श विद्यालय आमगांव में 8वीं कक्षा का एक छात्र गुरुवार को अपने गांव से समय पर स्कूल पहुंचा और स्कूल के बाद गांव जाने के लिए गोंदिया रोड़ पर बस का इंतजार कर रहा था. क्योंकि इस मार्ग पर शाम के समय बसों की संख्या कम होती है और इस मार्ग पर यात्रा करने वाले छात्रों की संख्या अधिक होती है, जब बस आती है, तो सभी छात्र बस में सीट पाने के लिए बस की ओर दौड़ पड़ते हैं. शाम को स्कूल की छुट्टी के बाद, जब गोंदिया से देवरी जाने वाली बस आई, तो सभी छात्र बस की ओर दौड़े और बस में सीट पाने के लिए दौड़े, लेकिन छात्रों के बस में चढ़ने से पहले ही चालक ने लापरवाही से बस स्टार्ट कर दी. परिणामस्वरूप, हरदोली जा रहा छात्र बस में चढ़ते समय गिर गया और उसके दाहिने पैर में फ्रैक्चर होने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया. सड़क के किनारे खड़े नागरिक दौड़े और छात्र को इलाज के लिए एक

निजी अस्पताल ले गए. डाक्टर ने उसकी जांच की और कहा कि उसका दाहिना पैर टूट गया है और बताया कि उसे ऑपरेशन करवाना होगा. आमगांव तहसील में बस स्थानक की समस्या गंभीर है और आमगांव-देवरी रोड़ पर यात्री प्रतिक्षालय न होने के कारण बस चालक बस को सड़क के किनारे खड़ा कर देते हैं. इसलिए, छात्र भी गोंदिया रोड़ पर सड़क के किनारे बस का इंतजार करते हैं और बसों के मार्ग कम होने के कारण छात्र बस को देखते ही उसकी ओर दौड़ पड़ते हैं. लेकिन बस चालक बस को बिना रोके आगे बढ़ाते रहते हैं, जिसके कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं.

गालीगलौज कर सीमेंट के टुकड़े से सिर पर प्रहार

गोंदिया-आमगांव थाने के तहत रिसामा निवासी फिर्यादी सुरूज देवानंद कुलवे (31) मोहल्ले के पानी टंकी की ओर घूमने गया था. इस दौरान उसे 5-6 लोग जुआ खेलते हुए दिखाई दिए. फिर्यादी उनके पास गया. इस बीच आरोपी पिंकेश गोंडाणे (25) ने कहा कि तू यहां क्यों आया तेरा यहां कौन सा काम है. जिस पर फिर्यादी ने कहा कि मैं यहां नहीं आ सकता क्या.

इस दौरान आरोपी ने उसके साथ गालीगलौज कर सीमेंट के टुकड़े से सिर पर प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

सेतु केंद्रों की मनमानी से लोग परेशान, महा ई सेवा केंद्रों पर चल रही जबरन वसूली

बुलंद गोंदिया-नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सरकार ने कुछ साल पहले महा ई-सेवा केंद्र शुरू किए थे. लेकिन, महा ई-सेवा केंद्र सरकार की सहमति से नागरिकों का शोषण करने वाले केंद्र बन गए हैं. शहर और तहसील के कुछ अन्य महा ई-सेवा केंद्रों से जबरन वसूली चल रही है और नागरिकों के परेशान होने के कारण कई शिकायतें सामने आ रही हैं. महा ई-सेवा केंद्रों के माध्यम से कई तरह के काम किए जाते हैं जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, 7-12, नमूना 8 अ, राशन कार्ड बनाना तथा नाम कम करना या जोड़ना, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, पात्रता प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिक प्रमाण पत्र, पहले इन कामों के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे. सरकार ने इसे कम करने के उद्देश्य से इन महा ई सेवा केंद्रों की शुरुआत की और इसके पीछे मंशा बेरोजगार युवाओं को काम मुहैया कराना था.

नियमों का किया जा रहा उल्लंघन इसके लिए तरीका तय किया गया है कि नागरिकों से आवेदन पत्र लिए जाएं, उन्हें एकत्र किया जाए और सरकारी कार्यालय में जमा किया जाए और संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर मिलने के बाद, उनके द्वारा मांगे गए प्रमाण पत्र नागरिकों को उपलब्ध कराए जाएं. कई नियम हैं जैसे प्रत्येक कार्य की कीमत के साथ-साथ मूल्य सूची भी लगाना, कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी करना और कोई अन्य कार्य नहीं करना. यह देखा गया है कि केंद्र संचालकों ने इन सभी नियमों का उल्लंघन किया है. जब शहर और तहसील में विभिन्न स्थानों पर कई केंद्रों का निरीक्षण किया गया, तो उनमें से कई बंद पाए गए. जब उस क्षेत्र के नागरिकों से पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि केंद्र कई दिनों से बंद थे. साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका किसी भी काम के लिए उपयोग नहीं किया जा रहा था. जो केंद्र खुले थे, उन पर सरकारी मूल्य सूची नहीं लगी थी.

मनमर्जी से वसूले जा रहे पैसे

नियमों के अनुसार, उन्हें यह मूल्य सूची लगानी होती है. सरकार ने तय किया है कि प्रत्येक प्रमाण पत्र की कीमत कितनी होगी. शिकायतकर्ताओं का कहना है कि केंद्र संचालक इन कीमतों को छिपाकर अपनी मनमर्जी से पैसे वसूल रहे हैं. यह केंद्र युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है. लेकिन, हमें सरकारी कामों में लगाया जा रहा है. एक केंद्र संचालक ने कहा, शायद किसानों की तरह हम ई-सेवा केंद्र संचालकों को भी आत्महत्या का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जो बेहद दुखद है.

कर्मचारियों से ही चलाया जाता है केंद्र

जब उनसे पूछा गया कि केंद्र पर राशन कार्ड बनवाने में कितना खर्च आएगा, तो बताया गया कि 2,000 रु. लगेंगे. नियम यह भी है कि जो लोग जानकारी मांगने आते हैं, उन्हें उचित जानकारी दी जानी चाहिए. केंद्र संचालक का केंद्र पर मौजूद रहना अनिवार्य है. लेकिन, कई केंद्रों पर केंद्र संचालक खुद मौजूद नहीं होते, बल्कि केंद्र का संचालन कर्मचारी ही करते हैं.

जिला चैंपियन बना श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल

गोंदिया- श्रीमहावीर मारवाड़ी स्कूल ने सुब्रत मुखर्जी फुटबॉल कप 2025 में गोंदिया पब्लिक स्कूल को फाइनल में 2-0 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया.

इस जीत के साथ ही श्रीमहावीर मारवाड़ी स्कूल की फुटबॉल टीम ने जिला स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की. श्रीमहावीर मारवाड़ी स्कूल की फुटबॉल टीम ने सेमीफाइनल में गुजराती नेशनल स्कूल और नूतन स्कूल को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी. फाइनल मैच में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोंदिया पब्लिक स्कूल को 2-0 से हराया. टीम की इस उपलब्धि में फुटबॉल कोच गोकुल का महत्वपूर्ण योगदान रहा, श्रीमहावीर मारवाड़ी स्कूल के पदाधिकारियों और प्रिंसिपल ने टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी और उनका उत्साह बढ़ाया. स्कूल के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, सचिव प्रकाशचंद कोठारी, उपाध्यक्ष किरण कुमार मुंदड़ा, दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल, सहसचिव श्रीनिवास मुंदड़ा और प्रिंसिपल अजय शामका और अभिषेक अग्रवाल और समस्त कार्यकारिणी मंडल ने टीम की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की. विजेता टीम के खिलाड़ियों में शिवम भाटिया, सोमय अग्रवाल, रितेश चक्रवर्ती, रमन पांडे, यश भेलावे, सुजल ठाकुर, पवन नागपुरे, युवराज राजपुरोहित, अरियन फाब्यानी, हिमांशु घाटे, मोहित गचके, नैतिक चोरघडे, तनिश अग्रवाल, मोहन रडके, कृष्णा ब्राह्म, नैतिक श्रीवास का समावेश था.

सुशिक्षित बेरोजगार इंजीनियरों के लिए कार्य वितरण समिति की बैठक 24 जुलाई को

बुलंद गोंदिया। कार्य वितरण समिति की बैठक 24 जुलाई 2025 को दोपहर 12 बजे जिला परिषद, गोंदिया के मुख्य सभागार में आयोजित की गई है। इस बैठक में जिला परिषद, गोंदिया में वर्गीकृत/पंजीकृत सभी पात्र सुशिक्षित बेरोजगार इंजीनियरों को कार्य वितरण नियंत्रण समिति जिला परिषद, गोंदिया के माध्यम से लॉटरी पद्धति से कार्य वितरित किए जाएँगे। वितरित की जाने वाली अन्य जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट और जिला परिषद, गोंदिया की वेबसाइट (www.zpgondia.gov.in) पर प्रकाशित की गई है। हालाँकि, पात्र सुशिक्षित बेरोजगार इंजीनियरों को उपरोक्त बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना चाहिए। समिति अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला परिषद, गोंदिया बिना कोई कारण बताए कार्य वितरित करने या बैठक रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। साथ ही, यदि मामले में कोई परिवर्तन या सुझाव हो, तो उसे जिला परिषद, गोंदिया की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। कृपया इस पर ध्यान दें, कार्यकारी अभियंता (लोक निर्माण), जिला परिषद, गोंदिया ने सूचित किया है।

वन परिसर से लोहे का गेट चुराने वाले 4 पकड़ाए

1.11 लाख रु. का माल किया जब्त

गोंदिया-आमगांव थाने के तहत ग्राम मानेगांव वन विभाग परिसर से लोहे का गेट चुराने वाले चार आरोपियों को पकड़ा गया. उनके पास से 6 हजार 300 रु. कीमत का लोहे का गेट व दो मोटरसाइकिल ऐसे कुल 1 लाख 11 हजार 700 रु. का माल जब्त किया गया है. आरोपियों में कमलेश ओमलाल मेश्राम (25), सावन इंदराज मेश्राम (28) व अन्य दो लोग शामिल है. जानकारी के अनुसार, आमगांव पुलिस को मिली जानकारी के आधार पर पुलिस गश्त कर रही थी. इसी दौरान दो मोटरसाइकिल पर चार लोग संदिग्ध दिखाई दिए. उनका पीछा कर उन्हें पकड़ा गया. उनकी गहनता से पूछताछ करने पर उन्होंने मानेगांव वन विभाग परिसर से लोहे का गेट चुराने का अपराध कबुल किया. आरोपियों के पास से 6 हजार 300 रु. कीमत का लोहे का गेट, 70 हजार रु. कीमत की मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 एम 6088, 35 हजार रु. कीमत की मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - ई 6395 व 400 रु. कीमत की तीन आरी ब्लेड ऐसे कुल 1 लाख 11 हजार 700 रु. का माल जब्त किया गया है. जांच हवलदार मेश्राम कर रहे हैं.

खरीफ विपणन सत्र 2024-25 में प्रोत्साहन राशि का बैंक सत्यापन

बुलंद गोंदिया। सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2024-25 में सरकारी समर्थन मूल्य क्रय योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों (चाहे पंजीकृत किसानों ने धान बेचा हो या नहीं) को धान की खेती के लिए उनकी भूमि के अनुसार 20,000 रुपये प्रति हेक्टेयर (दो हेक्टेयर की सीमा के भीतर) प्रोत्साहन राशि देने की मंजूरी दी है। तदनुसार, प्रोत्साहन राशि के पात्र किसानों की सूची सरकार के बीम पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। इस कार्यालय से प्राप्त किसानों की सूची धान क्रय उप-एजेंटों को उक्त सूची में शामिल किसानों के बैंक सत्यापन हेतु भेज दी गई है।

गोंदिया जिले के किसानों को सूचित किया जाता है कि यदि उन्हें बोनस सत्यापन के लिए केंद्र पर बुलाया जाता है, तो उन्हें एक भी रुपया नहीं देना होगा। संस्थाओं को पहले ही किसानों के बैंक खाते का आईएफएससी कोड, नाम और 7/12 को चयनकर्ता का सत्यापन करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। ये सभी कार्य संस्थाओं द्वारा निःशुल्क किए जाने चाहिए। इसके लिए, सत्यापन हेतु किसान किसी भी संस्था संचालक से वित्तीय लेन-देन न करें। यह अपील गोंदिया के जिला विपणन अधिकारी द्वारा की जा रही है। साथ ही, यदि कोई भी पैसे की मांग कर रहा है, तो तुरंत जिला विपणन कार्यालय से संपर्क किया जाना चाहिए।

संपादकिय...

अंतरिक्ष से लौटा 'लाल'

वे कितने अद्भुत, अव्यक्त, बेहद भावुक और भयभीत पल थे, जब शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयात्री अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर लौट रहे थे। बीच में कुछ मिनट का ऐसा फासला आता है, जब सब कुछ 'शून्य' होता है। कोई संचार और संवाद नहीं। बाहर का तापमान 1600-1700 डिग्री सेल्सियस। अंतरिक्ष और धरती के वायुमंडल के बीच की कशमकशज। जीवन और मौत के बीच के वे क्षणज! उस सन्नाटे और आग के बड़े गोले को पार कर जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उससे बड़ी जीत और बेपनाह खुशी का एहसास और क्या हो सकता है! शुभांशु की मां ने भावुकता में ठीक ही कहा है कि उनका बेटा दूसरा जन्म लेकर लौटा है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था। यकीनन यह अकल्पनीय कीर्तिमान है और नया इतिहास है। इस अंतरिक्ष मिशन ने शुभांशु शुक्ला को 'अवतारी पुरुष' बना दिया है। अंतरिक्ष में जब भी मानव-जीवन संभव होगा या वनस्पतियां उगने लगेंगी। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढियां उन अदम्य साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों की बुनियाद रखी। शुभांशु ने अंतरिक्ष में 7 अति महत्वपूर्ण, बेशकीमती प्रयोग किए, हालांकि पूरी टीम को 60 प्रयोग करने थे। 'भारत के लाल' ने मेथी और मूंग के बीजों को अंकुरित किया, जो अंतरिक्ष में पोषण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में 'भोजन' साबित हो सकते हैं। अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीवों के जीवन, पुनर्जीवन, प्रजनन और जीन परिवर्तनों पर प्रयोग किया। अंतरिक्ष में बीजों की वृद्धि और प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया। भविष्य में अंतरिक्ष मिशन के लिए ऑक्सीजन, बॉयोफ्यूल के स्रोत के तौर पर माइक्रोएल्गी का भी अध्ययन किया गया। अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें।

ग्रापं अधिकारियों के पद रिक्त
1 ग्रापं अधिकारी पर 2-3 गांवों का अतिरिक्त बोझ

गोंदिया-गांव का प्रबंधन करने वाली सरकार का एक महत्वपूर्ण तत्व ग्राम सेवक होता है. अब इस पद का नाम बदलकर %ग्राम पंचायत अधिकारी% कर दिया गया है. जिले में वर्तमान में 547 ग्राम पंचायतें हैं. लेकिन, 2011 में हुई जनगणना के अनुसार, पदों का निर्धारण नहीं किया गया है. परिणामस्वरूप, केवल आठ ग्राम पंचायत अधिकारियों के पद रिक्त दिखाए गए हैं, वास्तव में उन्हें जनसंख्या के अनुसार काम करते हुए तनाव में काम करना पड़ता है. लेकिन कहा जाता है कि सभी पद भर गए हैं, एक ग्राम अधिकारी के पास दो से तीन ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी है. पंचायत राज व्यवस्था में ग्राम पंचायतों को सबसे महत्वपूर्ण तत्व के रूप में देखा जाता है. सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं को समाज के अंतिम वर्ग तक पहुंचाने का काम ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाता है. ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पिछले दो दशकों से सरकारी स्तर पर प्रयास चल रहे हैं. ग्राम पंचायतों को गांव की जरूरतों की पहचान करके विकास कार्य करने का अधिकार दिया गया है. वर्तमान में विकास कार्यों के लिए निधि सीधे ग्राम पंचायतों में जमा की जा रही है, इसलिए जिन गांवों में पूर्णकालिक ग्राम सेवक नहीं हैं, वहां विकास कार्य कराने में कठिनाई आ रही है. लेकिन, पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं. ग्राम पंचायत अधिकारी, ग्राम पंचायत के सचिव के रूप में कार्य करते हैं. जिले में 547 ग्राम पंचायतें हैं.

हर दिन बढ़ता जा रहा काम का बोझ

ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास की रीढ़ है. लेकिन, सरकार उन्हें विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी सौंप रही है. इससे काम का बोझ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है. लेकिन जिले में आठ पद रिक्त बताए जा रहे हैं, लेकिन वास्तव में जनसंख्या के आधार पर पदों का निर्धारण न होने के कारण अव्यवस्था है. परिणामस्वरूप, कार्यरत ग्रापं अधिकारियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ रहा है. कई बार इससे नागरिकों और प्रशासन के आक्रोश का भी सामना करना पड़ता है.

कमलेश बिसेन, जिलाध्यक्ष, ग्राम सेवक संगठन

धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर निकालने शुरू
ध्वनि प्रदूषण निवारण अधिनियम के तहत हो रहा क्रियान्वयन

गोंदिया- धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर से अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण हो रहा है. इसलिए राज्य सरकार ने ऐसे लाउडस्पीकर हटाने का आदेश जारी किया है. गोंदिया जिले में भी इस आदेश का क्रियान्वयन शुरू हो गया है. जिला पुलिस विभाग ने बताया कि हटाए गए कुल हॉर्न की संख्या की जानकारी आने वाले दिनों में सामने आएगी. धार्मिक स्थलों पर हॉर्न और स्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण और नागरिकों को होने वाली असुविधा को देखते हुए गृह मंत्रालय ने सभी अनधिकृत हॉर्न और लाउडस्पीकर हटाने के निर्देश दिए हैं. इसी के तहत नागपुर पुलिस विभाग ने भी धार्मिक स्थलों से अनधिकृत लाउडस्पीकर हटाने का काम शुरू कर दिया है. पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने अपने अधीनस्थ सभी उपविभागीय पुलिस अधिकारियों और थानेदारों को ऐसे ध्वनि प्रदूषणकारी लाउडस्पीकर हटाने का आदेश दिया है. इसलिए पुलिस व्यवस्था सर्वेक्षण कराने के काम में न में जुटी है. सबसे पहले पुलिस ने सर्वेक्षण कर धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी जुटाई. इसके बाद अवैध रूप से बने धार्मिक स्थलों की सूची तैयार कर कार्रवाई की जा रही है. कुछ जगहों पर कानून का उल्लंघन पाए जाने पर लाउडस्पीकर हटा दिए गए हैं. यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और हटाए गए लाउडस्पीकर दोबारा लगाए जाने पर आपराधिक कार्रवाई की जाएगी. पुलिस विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाएगी. पुलिस की इस कार्रवाई से यह भी पता चला है कि पिछले कुछ दिनों से शहर में स्पीकर की आवाज सीमित हो गई है.

मुहिम प्रारंभिक तौर पर शुरू

उतारने की मुहिम को प्रारंभिक तौर पर शुरू कर दिया गया है. अगले कुछ समय में सभी को सूचना दी जाएगी और लाउडस्पीकर उतारे जाएंगे.

- गोरख भामरे, पुलिस अधीक्षक, गोंदिया जिला

सरपंच धर्मेन्द बोरकर का राकां में प्रवेश

भंडारा-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय में ग्राम गोंडेगांव (ता. लाखनी) के सरपंच धर्मेन्द्र बोरकर ने अपने समर्थकों सहित राकां के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं सांसद माननीय प्रफुल पटेल के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त करते हुए, माजी विधायक राजेन्द्र जैन एवं जिलाध्यक्ष नाना पंचबुद्धे की उपस्थिति में पार्टी का दुपट्टा पहनकर औपचारिक रूप से पार्टी में प्रवेश किया. बोरकर के इस प्रवेश से गोंडेगांव तथा आस-पास के क्षेत्रों में राकां का जनाधार और अधिक सशक्त होगा तथा स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं के समाधान हेतु पार्टी की भूमिका और प्रभावी होगी. पार्टी की ओर से धर्मेन्द्र बोरकर का स्वागत किया गया. इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र जैन, जिलाध्यक्ष नाना

पंचबुद्धे, जिला बैंक अध्यक्ष सुनील फुंडे, प्रदेश महासचिव धनंजय दलाल, वरिष्ठ नेता देवेंद्रनाथ चौबे, जिला परिषद उपाध्यक्ष एकनाथ फेंडर, अधिवक्ता विनयमोहन पशिने, नरेंद्र झंझाड, भंडारा दुग्ध संघ के संचालक हितेश सेलोकर, जिला परिषद सदस्य रजनीश बंसोड़, प्रदेश सेवादल के उपाध्यक्ष शेखर (बाला) गभने, विजय खेडीकर, सुभाष तितिरमारे, नीरज शहारे, शरद इटवले उपस्थित थे.

पार्किंग बन रही यातायात में बाधा

गोरेगांव-राष्ट्रीय महामार्ग पर पार्किंग व्यवस्था सड़क पर आ गई है. आधी सड़क पर खड़ी वाहनों की कतारे यातायात के लिए बाधा बन रही है जो दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रही है. लेकिन इस विषय पर स्थानीक प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है. शहर का मुख्य मार्केट राष्ट्रीय महामार्ग पर स्थित है. जिसमें निजी व्यापार के साथ ही शासकीय कार्यालय, बैंक, तहसील कृषि कार्यालय तथा कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट इसी मार्ग पर है. जिसे निजी पार्किंग व्यवस्था की विशेष तौर पर आवश्यकता है. लेकिन पार्किंग व्यवस्था नदारद है. सुबह से शाम तक आधी सड़क पर वाहन खड़े रहते हैं.

लेकिन पार्किंग व्यवस्था पर प्रशासन का ध्यान नहीं है. साथ ही फुटपाथ अतिक्रमण एक गंभीर विषय बनता जा रहा है. ऐसे में दुर्घटनाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है.

शराब में वैट और उत्पादन शुल्क में बढ़ोतरी रद्द की जाए
कारोबार चलाना मुश्किल, सभी बार बंद रहे, जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

गोदिया-गोंदिया जिला बार एसोसिएशन राज्य सरकार की टैक्स नीतियों के खिलाफ खुलकर सामने आया है। महाराष्ट्र सरकार की नई शराब कर नीति के विरोध में सोमवार 14 जुलाई को जिलेभर के होटल एवं बार बंद रहे। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने बार बंद और शराब निषेध दिवस का ऐलान किया था। जिसके तहत जिले में भी बार एवं होटल को बंद रखा गया। शराब दुकान संचालकों ने भी इस आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए शाम 5 बजे तक दुकानों को बंद रखा था। गोंदिया जिला बार असोसिएशन की ओर से जिलाधिकारी प्रजीत नायर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि महाराष्ट्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन राज्य सरकार की नई शराब कर नीति के खिलाफ है, जिसमें 60 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी बढ़ाया गया है, शराब पर वैट 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है और 2025-26 के लिए लाइसेंस फीस में हर साल 15 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। बार और होटल मालिकों का कहना है कि इन बढ़ोतरी से कारोबार चलाना मुश्किल हो जाएगा, इसलिए सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। ज्ञापन से यह भी बताया गया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा शराब पर टैक्स बढ़ाने का फैसला होटल और बार उद्योग के लिए अस्तित्व पर संकट बन गया है। यह विरोध सिर्फ नाराजगी नहीं, बल्कि कारोबार बचाने की लड़ाई है। एक्साइज - ड्यूटी बढ़ाए जाने से शासन के राजस्व में - बढ़ोतरी न होकर अन्य राज्य से शराब लाई जाएगी और घर-घर शराब बेचकर शासन के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा सकता है। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते समय अध्यक्ष पंकज यादव उपस्थित थे।

साइडिंग नहीं भरे, झाड़ियां नहीं कटी
संबंधित विभाग नहीं दे रही ध्यान

सड़क अर्जुनी-कोहमारा-गोंदिया एक राज्य राजमार्ग है और यह मार्ग दो राज्यों को जाता है, इस मार्ग पर दिन-रात यातायात जारी रहता है. क्योंकि यह मार्ग बालाघाट, गोंदिया, कोहमारा, देवरी होते हुए छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 6 है, इसलिए इस मार्ग पर वाहन तेज गति से चलते हैं. कई वाहन चालक गति सीमा का उल्लंघन करते हैं. परिणामस्वरूप, यह मार्ग मौत का मार्ग बनता जा रहा है. कोहमारा-गोंदिया मार्ग पर कोहमारा से गोरेगांव तक सड़क को फोरलेन न बनाने के कारण दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई. 500 मीटर दूर खजरी जाने वाली सड़क पर बिंदावन टी-पॉइंट के पास मोड़ पर पुल के पास शिवशाही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी. इस दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई, जबकि कई

लोग विकलांग हो गए. लेकिन, संबंधित विभाग ध्यान नहीं दे रहा है. वर्तमान में मुंडीपार से कोहमारा तक सड़क के दोनों ओर पेड़ और झाड़ियां हैं, और उनकी कटाई न होने और सड़क संकरी होने के कारण दुर्घटनाएं होती रहती है. पिछले दो-तीन वर्षों से इस सड़क की साइडिंग नहीं भरी गई है और झाड़ियां और पेड़ सड़क पर आ गए हैं, जिससे सड़क के मोड़ पर झाड़ियों के कारण दुर्घटनाओं को बढ़ावा मिल रहा है. नागरिकों में चर्चा है कि संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधि किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं.

15 साल बाद भी नहीं पक्की नालियां
नगर परिषद के चुनाव करीब लेकिन मूलभूत सुविधाएं अब भी अधूरी

गोंदिया-निकट भविष्य में नप चुनाव होंगे जिसके लिए अब हर पार्टी के उम्मीदवारों ने अपनी कमर कस ली है. पार्टी के कार्यकर्ता भी अपनी पार्टी चुनाव जीते इसके लिए लोगों से संपर्क कर रहे हैं. लेकिन शहर के विभिन्न वार्डो की विभिन्न समस्याओं की ओर अभी भी अनदेखी की जा रही है. इसमें अनेक कालोनियों की समस्या की ओर किसी भी जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है. शहर के बाहरी क्षेत्र में जैसे फुलचुर रोड, कुडवा रोड, मुर्री रोड, कटंगी रोड, छोटा गोंदिया रोड आदि मार्गों पर कुछ कॉलोनियां ऐसी है जहां नाली के पानी की निकासी सही तरीके से नहीं हो रही है जिसके कारण नागरिक स्वयं ही नाली को साफ कर रहे हैं. नाली में बड़े पैमाने पर गाद जमा हो गया है जिससे गंदे पानी की निकासी होने में समस्या आ रही है. इन दिनों बारिश के दिनों में यह समस्या और भी विकराल होती जा रही है. इसे लेकर यहां के नागरिक चिंतित है. नाली में बड़े पैमाने पर गंदगी बनी हुई है. जिसके कारण मच्छर व बदबु का सामना नागरिकों को करना पड़ रहा है. चुनाव के समय में इस ओर ही उम्मीदवारों का ध्यान जाएगा ऐसा नागरिकों द्वारा कहा जा रहा है. यहां पर तो पक्की नालियां भी नहीं बनी है. जबकि ऐसे क्षेत्रों को बसे लगभग 15-20 वर्ष हो गए हैं फिर भी कच्ची नालियां ही है. इस बीच नप के चुनाव आकर चले गए लेकिन नालियां नहीं बन पाई है. अब आगामी चुनाव में विभिन्न पार्टियों के उम्मीदवार विभिन्न समस्याओं को हल करने का आश्वासन नागरिकों को देंगे ऐसा भी नागरिकों द्वारा कहा जा रहा है. इन दिनों बारिश के दिनों में यह समस्या तो और भी परेशान कर रही है. जिसमें मच्छर सहित अन्य जीव जंतु भी पनपते हैं. जिसके कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरित परिणाम होने का डर बना रहता है. नप प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की मांग उक्त परिसर के जागरुक नागरिकों ने की है.

कॉम्पोनेंट सेपरेशन यूनिटशुरू होने से पहले ही सवालों में
शास. ब्लड बैंक की बदहाल स्थिति

गोंदिया-जिले का प्रमुख रक्त सेवा केंद्र बीजीडब्ल्यु शासकीय ब्लड बैंक इन दिनों बदहाल स्थिति से गुजर रहा है. रक्त मित्र गुड्डू चांदवानी ने जब हाल ही में इस ब्लड बैंक का दौरा किया, तो वहां का नजारा बेहद चिंताजनक था. दीवारों पर पूरी तरह दीमक फैली हुई थी. रक्तदाताओं के बैठने की कोई उचित और साफ-सुथरी व्यवस्था नहीं थी. वर्षों से दीवारों पर कोई रंग-रोगन नहीं हुआ है. समग्र वातावरण अत्यंत उपेक्षित और अव्यवस्थित दिखाई दिया. खास बात यह है कि आने वाले दिनों में यहीं कॉम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट शुरू की जानी है, जिसके तहत रक्त को विभिन्न घटकों (जैसे प्लेटलेट्स, प्लाज्मा, RBC आदि) में विभाजित कर ज्यादा उपयोगी

तरीके से जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाएगा. लेकिन वर्तमान दुर्दशा को देखते हुए यह नई सुविधा भी शुरू होने से पहले संकट में पड़ती दिख रही है. रक्त मित्र चांदवानी ने इस स्थिति की गंभीरता को महसूस करते हुए प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है. चांदवानी ने सुझाव दिए हैं कि ब्लड बैंक परिसर की त्वरित मरम्मत व दीमक नियंत्रण हो, स्वच्छता व रंग-रोगन कार्य शीघ्र किया जाए, रक्तदाताओं के लिए सम्मानजनक व सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए, कॉम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट के संचालन के लिए आवश्यक मानकों को तुरंत लागू किया जाए. यह सिर्फ एक इमारत की स्थिति नहीं, बल्कि मानवता के प्रतीक रक्तदाताओं की भावना और सेवा के सम्मान का सवाल है.

गंगाझरी गांव में श्रमदान से बनाया गया वन बांध

तिरोड़ा-महाराष्ट्र सरकार का स्मार्ट ग्राम पंचायत पुरस्कार प्राप्त ग्राम गंगाझरी के सरपंच सोनू घरडे के नेतृत्व में वन बांध का निर्माण किया गया है. ग्राम पंचायत में ग्रामवासियों के सहयोग से विभिन्न अभिनव उपक्रम चलाए जा रहे हैं. प्रत्येक रविवार सुबह 6 से 9 बजे तक स्थानीय युवाओं के श्रमदान से शुरु ग्राम सफाई अभियान के 196 सप्ताह पूर्ण हो गए हैं. स्वच्छ सुंदर गांव के लिए गंगाझरी ग्राम को तहसील व जिला स्तरीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं. मेरी वसुंधरा अभियान 1.0 से 5.0 तक हर वर्ष हजारों पौधे लगाए गए हैं. इस वर्ष अभियान 6.0 अंतर्गत गांव की सीमा में कुल 50 हजार पौधे लगाने का संकल्प भी ग्रामवासियों ने लिया है. इसी श्रृंखला में परिसर के भू जल स्तर की क्षमता बढ़ाने के लिए गांव के युवा व महिलाओं ने

श्रमदान के माध्यम से श्मशान घाट के समीप वाले नाले पर बोरियों में मिट्टी भरकर बांध का निर्माण किया है. पिछले 196 सप्ताह से लगातार चले आ रहे इस स्वैच्छिक श्रमदान अभियान में सरपंच घरडे के नेतृत्व में नूतनसिंह नागभीरे, लोकेश नागभिरे, शिव लिल्हारे, नरेंद्र लिल्हारे, लखन नागभीरे, विशाल उके, नरेश इनवाते, संदीपकुमार मरस्कोल्हे, यश्वीन घरडे, आर्यन बबरिया आदि ग्रामवासी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं

35 कृषि सेवा केंद्रों पर कार्रवाई, कृषि विभाग ने की 9 उड़नदस्ते गठित

गोंदिया-जिले में खरीफ सीजन के दौरान नकली बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग ने नौ उड़नदस्तों का गठन किया है. इसमें 26 गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक भी शामिल हैं. गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षकों द्वारा कृषि केंद्रों के औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के कारण वर्ष 2025 में 35 कृषि केंद्रों पर कार्रवाई की गई है. कृषि केंद्र के निरीक्षण के दौरान बिक्री लाइसेंस में मूल प्रमाण पत्र सम्मिलित न करने, निर्धारित अवधि में पंजीयन प्रमाण पत्र का नवीनीकरण न कराने, प्रदर्शन क्षेत्र में शेष स्टॉक व मूल्य सूची प्रदर्शित न करने, स्टॉक व बिक्री रजिस्टर का संधारण न करने, रजिस्टर पर अंकित स्टॉक व वास्तविक स्टॉक का मिलान न करने, बिक्री किए जा रहे कृषि आदानों का खरीदी बिल संधारित न करने, ग्राहक को दी गई खरीदी रसीद पर ग्राहक के हस्ताक्षर न लेने आदि कारणों से 35 कृषि केंद्रों के खिलाफ कार्यवाही की गई है.

किसानों को उनके गांव में ही कृषि आदान उपलब्ध हो सके, इसके लिए शैक्षणिक योग्यता वाले आवेदकों को लाइसेंस जारी किए गए थे, लेकिन लाइसेंस में अंकित मकान नंबर पर कृषि केंद्र न खोलने, लाइसेंस के अंतर्गत बीज, उर्वरक व कीटनाशक का खरीदी बिक्री न करने तथा कोई भी दस्तावेज संधारित न करने पर 35 कृषि केंद्रों के खिलाफ कार्यवाही की गई. इस साल नकली बीजों की शिकायत नहीं- इस साल देर से हुई बारिश के कारण बीजों की बुआई में देरी हुई, फिर भी किसी ने अभी तक नकली बीजों को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है. किसानों ने यह शिकायत नहीं की है कि बीज अंकुरित नहीं हुए.

शिकायत कहां करें?

अगर किसानों के साथ धोखाधड़ी होती है, तो उन्हें तुरंत नजदीकी तहसील कृषि अधिकारी से शिकायत करे. शिकायत मिलते ही कृषि अधिकारी जांच करके संबंधित कंपनियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करेगी. कृषि सेवा केंद्र से खाद-बीज खरीदते समय पक्का बिल अवश्य लें, उस पर अंकित एमआरपी के अनुसार ही सामान खरीदने को प्राथमिकता दें, यदि एमआरपी से अधिक दाम पर बेचा जा रहा हो तो कृषि विभाग में शिकायत करें.

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर श्रमिकों का पंजीयन

4 तहसीलों से आया मामला, गढ़चिरोली की टीम कर रही जांच

गोंदिया-सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जिले में कुछ दलाल भी सक्रिय हो गए हैं. एक शिकायत के बाद देवरी, आमगांव, गोरेगांव और तिरोड़ा तहसीलों में बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर श्रमिकों का पंजीकरण किया गया है. इस पर ध्यान देते हुए, श्रम विभाग ने गढ़चिरोली जिले के अधिकारियों की तीन टीमों के माध्यम से जांच शुरू कर दी है. महाराष्ट्र सरकार के इमारत व अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण मंडल ने निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए पंजीकरण शुरू कर दिया है. श्रमिक कल्याण मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और शर्तों के अधीन, 90 या अधिक दिनों तक काम करने वाले श्रमिकों का ऑनलाइन पंजीकरण करने के बाद, श्रमिकों को निर्माण-संबंधी सुरक्षा उपकरण और घरेलू सामान, दुर्घटना की स्थिति में मुफ्त इलाज, बीमा, उनके बच्चों की शिक्षा और श्रम विभाग की ओर से अन्य सुविधाओं के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है. निर्माण श्रमिक पंजीकरण के लिए, पूरी पंजीकरण प्रक्रियाश्रम कल्याण मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है. लेकिन, कुछ दलालों ने पैसे लेकर फर्जी दस्तावेज और प्रमाण पत्र संलग्न करके श्रमिकों का पंजीकरण किया था. इस संबंध में श्रम विभाग को आमगांव, गोरेगांव, देवरी और तिरोड़ा इन चार तहसीलों से शिकायतें मिली थी. शिकायतों के आधार पर जांच के लिए

गढ़चिरोली स्थित श्रम कल्याण कार्यालय के तीन अधिकारियों की एक जांच समिति गठित की गई थी. इस समिति ने इन चारों तहसीलों के श्रमिकों के पंजीकरण के लिए संलग्न प्रमाण पत्र और दस्तावेजों का सत्यापन शुरू कर दिया है. सत्यापन के दौरान, यह बात सामने आई है कि आमगांव और देवरी तहसील के कुछ श्रमिकों ने फर्जी प्रमाण पत्र और दस्तावेज संलग्न किए हैं. जांच समिति के अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन का काम अगले दस दिनों तक जारी रहेगा और उसके बाद ही यह कहना संभव होगा कि कितने श्रमिकों ने फर्जी प्रमाण पत्र संलग्न किए हैं.

आपराधिक मामले होंगे दर्ज

सत्यापन में यह साबित होने के बाद कि जिन श्रमिकों ने श्रम पंजीकरण के लिए फर्जी प्रमाण पत्र और दस्तावेज लगाए हैं, उनके खिलाफ संबंधित तहसील के पुलिस थानों में आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे. अधिकारियों ने बताया कि फर्जी प्रमाण पत्र और दस्तावेज तैयार करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी.

खाद की तस्करी का प्रयास नाकाम

45 बोरी यूरिया सहित 3 वाहन पकड़े, 5 पर मामला दर्ज

गोंदिया-महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश शाम 6 बजे के करीब महाराष्ट्र राज्य का रासायनिक खाद दूसरे राज्य में ले जाने का प्रयास कर रहे तीन वाहनों को पकड़ा गया. इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई गोंदिया जिला गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक संतोष सातदिवे, तहसील कृषि अधिकारी महेंद्र दिहारे और उनकी टीम ने की. इस कार्रवाई में 43 हजार 65 रु. कीमत की 45 यूरिया खाद की बोरी सहित लाखों रु. के वाहन जब्त किए गए. उल्लेखनीय है कि आमगांव से सटकर छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश की सीमा है. क्षेत्र के नागरिक खेती पर निर्भर है. खरीफ मौसम की शुरुआत हो चुकी है. फसलों को बचाने के लिए किसान रासायनिक खाद का उपयोग बड़े पैमाने पर करते हैं. खाद के लिए किसान कृषि केंद्रों में पहुंच रहे हैं. लेकिन कुछ कृषि केंद्र संचालक अन्य राज्य के किसानों को बिना अनुमति से खाद की बिक्री करते हैं. इसी तरह का मामला शनिवार को आमगांव में सामने आया है. 12 जुलाई को शाम के दौरान कृषि विभाग को गुप्त जानकारी

मिली कि दूसरे राज्य के किसान महाराष्ट्र का रासायनिक खाद अपने राज्य में ले जा रहे हैं. जिसके बाद कृषि विभाग के उड़न दस्ते ने कार्रवाई कर तीन वाहन क्र. एमएच 35 एजे 4362, एमएच 35 एजे 3529 व एमएच 31डीएस 2597 सहित 45 हजार रु. कीमत के 45 बोरी रासायनिक खाद को जब्त किया है. इस मामले में वाहन चालक लांजी के घंसा निवासी शैलेंद्र दमाहे, पाथरगांव निवासी शुभम येडे, सालेकसा के बिजली निवासी विनोद तांबोरे, आमगांव के मंगल कृषि केंद्र व जयदुर्गा कृषि केंद्र संचालक के खिलाफ रासायनिक खाद नियंत्रण आदेश 1985 (4) (ब) के तहत मामला दर्ज किया गया है.

सरस्वती इंग्लिश स्कूल में विद्यार्थियों ने दिखाया

कागजों का हुनर हस्तशिल्प कला से खिला बाल सृजन

तुमसर-लोकर्पण समाज सेवी संस्था द्वारा संचालित सरस्वती इंग्लिश स्कूल प्रगति नगर, तिरोड़ा में हस्तशिल्प गतिविधियां आयोजित की गई. कक्षा 1 से 7 तक के सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न हस्तशिल्प बनाए. कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने कागज से बोट बनाई, कक्षा 2 के विद्यार्थियों ने कागज से टोपियां बनाईं, कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने रंगीन कागज से छाते, घड़ियां, फूल आदि बनाए, कक्षा 4 के विद्यार्थियों ने इंद्रधनुष, बादल, प्राकृतिक दृश्य बनाए, कक्षा 5 के विद्यार्थियों ने ग्रीटिंग कार्ड, वंशवृक्ष, रंगों के नाम वाले गुब्बारे आदि बनाए, कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने टिशू पेपर से गुलदस्ते और घर बनाए, कक्षा 7 के विद्यार्थियों ने कागज से आकृतियां बनाईं. ये सभी गतिविधियां आयोजित की गई. विद्यार्थियों को शिल्प बनाने की सभी सामग्री स्कूल से ही उपलब्ध कराई गई. बच्चों ने बड़े उत्साह से शिल्प बनाने का प्रयास किया और शिल्प बनाए. स्कूल में बच्चों को अपशिष्ट पदार्थों से सतत उत्पादन के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया. शिक्षकों ने छात्रों को शिल्प बनाने के लिए मार्गदर्शन किया

नगर परिषद शाला की बेटियां छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल

गोंदिया-नगर परिषद मराठी पूर्व माध्यमिक शाला, गणेश नगर की छात्राओं ने छात्रवृत्ति परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है. भाग्यश्री संतोष कावडे और लीना उमेशकुमार सोनकुसरे ने इस

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की. इन छात्राओं के मार्गदर्शक शिक्षक तुषार सिंगनजुडे का योगदान सराहनीय रहा. प्रधानाध्यापक मरस्कोल्हे, विनोद मेश्राम तथा सभी शिक्षकगण और पालकों ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है

पुलिस के हत्थे चढ़ा वाहन चोरों का गिरोह

19 बाइक बरामद

भंडारा -भंडारा व नागपुर जिले के अलग अलग शहरों से दोपहिया चुराकर खुद के घर में छुपाकर रखने वाले चोरों के गिरोह को स्थानीय अपराध शाखा ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 19 दोपहिया जब्त की। इनमें से 10 दोपहिया अड्याल क्षेत्र के श्रीनगर और ग्राम वाकेश्वर से 9 पकड़ी है। पुलिस ने कुल चार लाख 20 हजार रुपयों का माल जब्त किया है। यह कार्रवाई 12 से 14 जुलाई के बीच की गई है। आरोपियों में पवनी तहसील के श्रीनगर निवासी कृष्णा उर्फ सोनू उके, वाकेश्वर ग्राम निवासी नितिन उर्फ गुंडा खोब्रागडे, प्रवीण कंगाले का समावेश हैं। प्रवीण कंगारे अब तक पुलिस के हाथ नहीं लग पाया है। स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक नितिन चिंचोलकर को जानकारी मिली थी कि अड्याल क्षेत्र के श्रीनगर ग्राम में चोरी हुई दोपहिया छुपाकर रखी है। जिसके बाद स्थानीय अपराध शाखा भंडारा के सहायक पुलिस निरीक्षक केशव पुंजरवाड अपनी टीम के साथ श्रीनगर के सोनू उके के घर पहुंचे। वहां पर दस दोपहिया दिखायी दी। पुलिस ने इन सभी दोपहिया के दस्तावेज मांगे। लेकिन सोनू टालमटोल जवाब देने लगा। पुलिस ने सख्ती के साथ पूछताछ की तो उसने कबूला कि वह वाकेश्वर ग्राम निवासी नितिन उर्फ गुंडा खोब्रागड़े और प्रवीण कंगाले के साथ मिलकर दोपहिया चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। जिसके बाद पुलिस नितिन खोब्रागडे के घर पहुंची। वहां पर पुलिस को नौ दोपहिया मिली। पुलिस ने नितिन से पूछताछ की और दोपहिया के दस्तावेज मांगे। लेकिन चोरी की दोपहिया होने से आरोपी के पास दस्तावेज नहीं मिल सका। आरोपियों ने भंडारा के जिला सामान्य अस्पताल, बेला के सचिन हॉल, शहापुर, पाहुनी/खात, श्री मल्टी स्पेशालिस्ट अस्पताल लाखनी, स्टेट बैंक आफ लाखनी परिसर से दोपहिया चुराने की जानकारी दी।

कुंभकर्णी नींद से जागा विभाग : बरसों बाद लगाए नए दिशा-दर्शक फलक

गोंदिया-शहर के मुख्य मार्गों पर लोक निर्माण विभाग द्वारा दिशा-दर्शक फलक वर्षों पूर्व लगाए गए थे, लेकिन अधिक वर्ष होने से दिशा-दर्शक फलकों का रंग उड़ गया था, वहीं अनेक फलकों पर लोहे का जंग चढ़ गया था। जिस वजह से कौनसी दिशा में कौन सा मार्ग और कितना अंतर है, इसकी जानकारी मिलना कठिन हो रहा था। जिस वजह से अनेक लोग दिशा भूल जाते थे। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित कर विभाग का ध्यानाकर्षण करने का प्रयास किया गया। आखिरकार वर्षों बाद लोक निर्माण विभाग ने नए सिरे से दिशाहीन हो चुके दिशा-दर्शक फलकों को लगाया। गौरतलब है कि शहर के फूलचुर नाके से शहर की ओर आनेवाले

मार्ग पर लोक निर्माण विभाग की ओर से दिशा दर्शक फलक लगाए गए थे। जिसका रंग भी उड़ चुका था। इसके अलावा जयस्तंभचौक पर भी लगाए गए, ऐसे फलकों का रंग उड़ गया था। जिससे फलकों पर लिखे नामों को पढ़ा नहीं जा सकता था। इन फलकों को देख शहर में आनेवाले वाहन चालक कन्फ्युज हो रहे थे। गौरतलब है कि, शहर में विविध स्थलों पर जाने के लिए इन फलकों पर नाम एवं किलोमीटर लिखा होता है। लेकिन मरम्मत के अभाव में यह फलक अधिकांश स्थानों पर टूटे हुए थे। मुख्य मार्ग होने से शासकीय अधिकारी एवं मंत्री भी इस मार्ग से गुजरते हैं। लेकिन इनकी मरम्मत पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा था। आखिरकार कई वर्षों बार लोक निर्माण विभाग ने इस ओर ध्यान दिया और नए फलकों को लगाया। जानकारी के अनुसार लोकनिर्माण विभाग की ओर से सड़कों की मरम्मत एवं निर्माण कार्य पर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। लेकिन सड़कों पर लगे दिशा-दर्शक फलकों की मरम्मत की ओर अनदेखी की जा रही थी। फलकों की जर्जर हालत से शहर की सुंदरता पर भी ग्रहण लग रहा था। आखिरकार विभाग द्वारा इन फलकों को नए सिरे से लगा दिए गए है। जिससे अब वाहन चालक के साथ ही आम नागिरकों को नए फलक लगने से दिशा और किलो मीटर की जानकारी भी मिल रही है।

महाराष्ट्र एक्सप्रेस में सामान्य सीटे बढ़ाएं

पूर्ववत 7 डिब्बों की तरह जागृति विकास मंच ने की DRM गुप्ता से मांग

गोंदिया-नागपुर से कोल्हापुर जाने वाली महाराष्ट्र एक्सप्रेस ट्रेन गोंदिया जिले के लिए एक जीवनरेखा मानी जाती है. सभी क्षेत्र के यात्रियों के लिए यह एक है. अत्यंत सुविधाजनक ट्रेनों में से एक विद्यार्थी व्यापारी, सहित करीब 10 तहसील के लोग तथा डोंगरगढ़, तुमसर भंडारा आदि जैसे शहर के यात्री अधिकतर नागपुर तक आए दिन सफर करते हैं. पहले रेलवे प्रशासन द्वारा इसमें एस एस-3 से एस -7 तक साधारण टिकट धारकों को बैठने की अनुमति थी. लेकिन कुछ समय पहले रेलवे प्रशासन द्वारा इसमें बदलाव किए गए तथा अब तीन डिब्बों में ही साधारण टिकट धारकों को बैठने की अनुमति रेलवे प्रशासन द्वारा दी गई है. जिस वजह से यात्रियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जागृति मंच ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता से नागपुर में मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की तथा विनंती की गई की यात्रियों की परेशानी को देखते हुए पूर्ववत की तरह 7 डिब्बों में साधारण टिकट धारकों को भी बैठने की अनुमति प्रदान की जाए. साथ ही कोल्हापुर से गोंदिया आनेवाली महाराष्ट्र एक्सप्रेस का समय जो अभी 3.40 है उसे भी पूर्वोतर की तरफ 5.40 बजे किया जाए. उसी तरह पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस जो पुणे जंक्शन से हावड़ा जंक्शन तक चलती है, नागपुर से छुटने के बाद यह सीधा रायपुर जंक्शन पर रूकती है, इस ट्रेन का स्टॉपेज गोंदिया में भी दिया जाए, जिससे पुणे तक जाने वाले इस क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यह ट्रेन सुविधाजनक साबित होगी.

कोरंबी फ्लाईओवर के सामने कार की भीषण दुर्घटना

दो लोग गंभीर रूप से घायल

भंडारा-नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोरंबी फ्लाईओवर के सामने पिंडकेपार गांव के पास मंगलवार, 15 जुलाई की शाम लगभग 5:25 बजे एक कार की भीषण दुर्घटना हुई, जिसमें दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों का नाम छत्रपति संभाजीनगर निवासी सुनील आबासाहेब डोईफोडे (37) और संजय कुलकर्णी (50) है. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही जगदुरु रामानंदाचार्य नरेंद्राचार्य, मुख्य पीठ नाणिजधाम द्वारा संचालित एंबुलेंस सेवा का चालक तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और घायलों को भंडारा जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया. दोनों घायल व्यक्ति MH 20 DJ 3838 क्रमांक की कार से रायपुर से छत्रपति संभाजीनगर की ओर जा रहे थे. कोरंबी फ्लाईओवर के पास पिंडकेपार गांव की सीमा में पहुंचते ही कार से नियंत्रण छूट गया और वाहन पहले सड़क किनारे बने गड्ढे से टकराया, फिर डिवाइडर से भिड़कर पलट गई. हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए. समय पर एंबुलेंस के पहुंचने से घायलों को तत्काल प्राथमिक इलाज मिल सका और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती किया गया. दोनों घायलों को समय रहते इलाज मिलने के कारण उनकी जान बच सकी. इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और सड़क की खराब हालत के कारण होने वाले खतरों को उजागर किया है.

वाहन की टक्कर से मौत, बायपास रोड पर हुई दुर्घटना

भंडारा-भंडारा-अजिमाबाद बायपास रोड पर रात करीब 8.30 बजे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से 40 वर्षीय व्यक्ति की मृत्यु हो गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार सिविल वार्ड, साकोली निवासी विलास आसाराम चचाने (40) अपनी मोटरसाइकिल (क्र. एमएच 36 एएम 4677) से शहापुर के गोपीवाड़ा से साकोली की ओर राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 पर स्थित बायपास रोड से जा रहे थे. इस दौरान अजिमाबाद के पास, पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने तेज गति और लापरवाही से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. इस टक्कर में विलास सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए. घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने ने तुरंत कारधा पुलिस को सूचना दी. सूचना

मिलते ही पुलिस हवलदार कंचन टेंभुर्णे और सुभाष रहांगडाले मौके पर पहुंचे. घायल को तुरंत भंडारा के सामान्य अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और बाद में परिजनों को सौंप दिया गया. कैलास चचाने की शिकायत के आधार पर कारधा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. पुलिस हवलदार कंचन टेंभुर्णे और सुभाष रहांगडाले मामले की जांच कर रहे है.

गीतांजलि एक्सप्रेस में की गई थी चोरी 2 मोबाइल चोर पकड़ाए

गोंदिया-रेलवे सुरक्षा बल नागपुर के मंडल सुरक्षा आयुक्त दीपचंद आर्य के मार्गदर्शन में पोस्ट प्रभारी के नेतृत्व में चोरी रोकथाम के लिए गठित मंडल टास्क टीम के सहायक उप निरीक्षक के. के निकोडे, प्र.आ. आर.सी. कटरे, प्र.आ. राहुल सिंह, आ. वी.के. कुशवाहा, अ.गु.शां. गोंदिया के सहायक उन निरीक्षक आर.एस. बागडेरीया व गोंदिया पोस्ट की म.आ. जया ऊके के साथ जीआरपी गोंदिया में दर्ज मोबाईल चोरी के संबंध में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रायपुर टास्क टीम के आ. वीसी. बंजारे के सहयोग से संयुक्त खोजबीन के दौरान ट्रेन क्र. 12880 में डोंगरगढ़ से गोंदिया तक चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति दिखे. जिन्हें पूछताछ करने पर टालमटोल करने लगे. नाम पूछने पर उन्होंने दीपक नरेश निर्मलकर (30) शिवनगर हांडीपारा, रायपुर निवासी बताया. जिसके जेब में रखे वीवो कंपनी का मोबाइल कीमत 18000 रु. के बारे में पूछताछ करने पर 14 जुलाई को गोंदिया स्टेशन पर ट्रेन क्र. 12860 के सामने जनरल बोगी से चोरी करना स्वीकार किया तथा दूसरे आरोपी डिंगर सुरेंद्र दास (20) कालीबाड़ी, थाना सिटी कोतवाली, जिला रायपुर निवासी बताया. जिनके जेब में रखें वीवो कंपनी 14999 रु. को दुर्ग स्टेशन पर चोरी करना स्वीकार किया. आरोपी सीसीटीवी फुटेज से मिलान करने पर वही आरोपी होना पाया.

वृद्धाश्रम शुरू करने गैर सरकारी संगठनों से प्रस्ताव आमंत्रित

बुलंद गोंदिया। अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत, समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत कार्यक्रम योजना के अंतर्गत वृद्धाश्रम चलाने के लिए गैर सरकारी संगठनों को अनुदान दिया जाता है। इसके अंतर्गत वृद्धाश्रम में आश्रय, पौष्टिक भोजन, चिकित्सा सुविधाएँ और मनोरंजन की सुविधाएँ नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। साथ ही, शासन स्तर से जिलों में कार्यरत अच्छे गैर सरकारी संगठनों या स्वयंसेवी संस्थाओं को वृद्धाश्रम चलाने हेतु ई-अनुदान हेतु आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिले में कोई केंद्रीय या राज्य सहायता प्राप्त वृद्धाश्रम नहीं है या वृद्धों की माँग से कम क्षमता वाला वृद्धाश्रम है, तो आपके जिले में वरिष्ठ नागरिकों के मुद्दों पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों/गैर-सरकारी संगठनों में केंद्र सरकार की अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम लागू किया जा रहा है। इस योजना के लिए उक्त संस्था को अटल वय अभ्युदय योजना की समस्त शर्तों को पूर्ण करते हुए ई-अनुदान पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा।

30 साल से झांसीनगर उपसा योजना अटकी विधायक बडोले ने विधानसभा में उठाए सवाल

गोंदिया-जिले में झांसीनगर उपसा सिंचाई योजना का 30 वर्षों से लंबित काम और डोंगरगांव वितरिका के घटिया निर्माण का मुद्दा महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र में अर्जुनी मोरगांव विधानसभा के विधायक राजकुमार बडोले ने उठाया. झांसीनगर उपसा सिंचाई योजना का काम अभी केवल 10 प्रश. ही बाकी है, लेकिन आरक्षित वनों, अभ्यारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों जैसी वन भूमि की बार-बार बदलती स्थिति के कारण परियोजना पूरी नहीं हो पा रही है. इसके अलावा, डोंगरगांव वितरिका के निर्माण में भी अनियमितताएं पाई गई है. महज एक साल में धीमी गति से हुए निर्माण ने कोल्हापुर की स्वास्तिक कंस्ट्रक्शन कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस संबंध में विधायक बडोले ने निर्माण में हुई अनियमितताओं की जांच और गलत जवाब देकर गुमराह करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. बडोले ने सुझाव दिया कि नई तकनीक का उपयोग करके 30 मीटर पत्थर हटाना संभव है, जिसके लिए वन विभाग ने मंजूरी दे दी है. इससे 3,500 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा. इस पर जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने परियोजना को पूरा करने के लिए एक बैठक आयोजित करने और कोई रास्ता निकालने तथा इस मुद्दे को हल करने के लिए केंद्र सरकार से संपर्क करने का आश्वासन दिया. बडोले ने इस मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित किया है और गोंदिया जिले के किसानों के हितों की रक्षा करने का प्रयास किया है.

देवरी की सुहानी अग्रवाल बनी पहिली पायलट

देवरी-गोंदिया जिले के अंतर्गत देवरी शहर की सुहानी विजय अग्रवाल ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वह तालुका की पहली महिला पायलट बन गई हैं। सुहानी ने अमेरिका से पायलट की पढ़ाई और प्रशिक्षण लिया था। उनके पिता के अनुसार, बचपन से ही उनका सपना विमान उड़ाने का था और अब यह सपना साकार हो गया है। उनके पिता विजय अग्रवाल वर्तमान में गोंदिया में रहते हैं और हमेशा उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। डेढ़ साल से पायलट रहीं सुहानी ने अमेरिका से अपनी शिक्षा पूरी की है। उसके बाद उन्होंने अमेरिका में पायलट का प्रशिक्षण लिया और अब वह एक लाइसेंस प्राप्त पायलट हैं।सुहानी की सफलता से उनके परिवार सहित पूरे देवरी तालुका में खुशी की लहर है। उनके माता-पिता ने कहा कि उन्हें अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। उनकी सफलता अन्य युवाओं को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने साबित कर दिया है कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकती हैं। उन्होंने ऐसा क्षेत्र चुना है जहाँ आमतौर पर पुरुष जाते हैं। हालाँकि, अन्य महिलाओं को भी सुहानी की सफलता से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने सपनों को पूरा करना चाहिए।

महिला की अश्लील फोटो वायरल युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज

गोंदिया-तिरोड़ा तहसील के लाखेगांव में एक विवाहिता की अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर उसे बदनाम करने का मामला सामने आया है. इस मामले में संबंधित महिला ने गांव के ही एक युवक के खिलाफ तिरोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है. तिरोड़ा तहसील के लाखेगांव गांव की 32 वर्षीय महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, वह पिछले छह महीने से इंस्टाग्राम का इस्तेमाल कर रही थी. 24 मई 2025 को सुबह 9.30 बजे अपने मोबाइल पर इंस्टाग्राम पर रील्स देखते समय उसे अक्षय श्रीनिवास नाम के अकाउंट पर अपने चेहरे और एक अन्य महिला के आंशिक रूप से नग्न शरीर की अश्लील तस्वीर मिली. इसके बाद उसने तिरोड़ा थाने में आवेदन देकर गोपनीय जांच की मांग की. पुलिस ने जब गहन जांच की और संबंधित अकाउंट की जांच की, तो पता चला कि यह तस्वीर लाखेगांव निवासी अतुल रमेश डोहले (25) ने बनाई और वायरल की थी. फोटो के प्रसार से महिला को मानसिक कष्ट और बदनामी का सामना करना पड़ा. आखिरकार आरोपी की पहचान होने के बाद, वह और उसका पति पुलिस थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई. इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

अलग-अलग थाना क्षेत्र से किया गया था जब्त जिले में 468 किलो का गांजा जलाकर किया नष्ट

गोंदिया-जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र से जब्त किया गया 468.335 किलोग्राम गांजा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर नष्ट किया गया है. जानकारी के अनुसार मादक पदार्थ विनाश समिति गोंदिया द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, उप प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल, नागपुर ने अपराध में जब्त मादक पदार्थ को मेसर्स महाराष्ट्र एनवायरो पावर लिमिटेड, बुटीबोरी एमआईडीसी, जिला नागपुर में मादक पदार्थ विनाश समिति गोंदिया के समक्ष नष्ट करने की अनुमति दी है. जिसके अनुसार, रामनगर थाने का 5.695 किलोग्राम, देवरी थाने का 3.475 किलोग्राम, डुग्गीपार थाने का 459.165 किलोग्राम ऐसे कुल 468.335 किलोग्राम गांजा महाराष्ट्र एनवायरो पावर लिमिटेड, बुट्टीबोरी (एमआईडीसी) नागपुर के प्रोसेस इंजिनियर की देखरेख में जलाकर नष्ट किया गया. मादक पदार्थ समिति अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर, प्रभारी पुलिस उपअधीक्षक रामदास शेवते, प्रोसेस इंजीनियर प्रशांत मस्के, हवलदार सुबोधकुमार बिसेन, सिपाही संतोष केदार, अतुल कोल्हाटर, भास्कर पारधी, सहायक फौजदार गेंदलाल उदापुरे, दिनराज वरखडे के समक्ष विभिन्न थानों से जब्त किया गया मादक पदार्थ गांजा नष्ट किया गया है.

शहर के नलों में दूषित जलापूर्ति

गोंदिया-पिछले कुछ महीनों से नागरिक नलों से आने वाले प्रदूषित जल और शहर की गंदगी से जूझ रहे हैं. नागरिक इसके खिलाफ आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन जीवन प्राधिकरण और नप प्रशासन उदासीन है. इसके कारण जलजनित और कीटजनित बीमारियों को न्योता मिल रहा है. मानसून में महामारी रोगों के प्रकोप को रोकने के लिए, प्रशासन से मानसून पूर्व कार्य और नल योजना का नियमित रखरखाव करने की अपेक्षा की जाती है. लेकिन ये कार्य बेतरतीब ढंग से किए जा रहे हैं, इसलिए हर साल शहरवासियों को जलजनित और कीटजनित बीमारियों का सामना करना पड़ता है. इस साल भी यही स्थिति देखने को मिल रही है. शहर को डांगोरली से पेयजल की आपूर्ति की जाती है. जीवन प्राधिकरण शहर के 19 हजार नलधारकों को प्रतिदिन 1 करोड़ 40 लाख लीटर पानी की आपूर्ति करता है. शहर में जलापूर्ति योजना हमेशा किसी न किसी कारण से चर्चा में रहती है. कभी दोषपूर्ण बिजली आपूर्ति के कारण, कभी तकनीकी कारणों से, तो कभी विकास कार्यों के लिए खुदाई के कारण पाइप लाइन में लीकेज के कारण शहरवासियों को बाधित जलापूर्ति और मटमैले पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है. पिछले कुछ दिनों से शहरवासियों को फिर से इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है. मटमैले पानी की आपूर्ति के कारण शहर में जल जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है. साथ ही शहर में साफ-सफाई का मुद्दा भी गंभीर होता जा रहा है. लेकिन शहर में कचरा गाड़ियों के माध्यम से घरों से कचरा एकत्र किया जाता है, लेकिन सार्वजनिक स्थानों और सड़क किनारे जमा कचरे के ढेर और अवरुद्ध नालियों के कारण कीड़ों का प्रकोप बढ़ गया है और कीट जनित बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है. नागरिक इसके खिलाफ रोष व्यक्त कर रहे हैं.

TTE ने घर से भटकी बालिका को बचाया सतर्कतापूर्वक किया रेल सुरक्षा बल के हवाले

गोंदिया-दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में कार्यरत उप मुख्य टिकट निरीक्षक शेख शाहिद द्वारा 14 जुलाई को गोंदिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन क्र. 20822 हमसफर एक्सप्रेस के कोच क्र. बी-5 बर्थ क्र. 17 पर एक डरी-सहमी हुई नाबालिग लड़की को देखा गया. उन्होंने सतर्कता पूर्वक उसके साथ बातचीत कर उसकी पूरी जानकारी ली. वह ओड़िशा से आईं थीं और गलती में भूलवश अपने घर से निकलकर आ गई थी. उन्होंने तुरंत कमर्शियल कंट्रोल रूम तथा रेल सुरक्षा बल कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी और उस नाबालिग लड़की को गलत दिशा में जाने से रोका और उसका बहुमूल्य जीवन बचा लिया. उप मुख्य टिकट निरीक्षक शेख शाहिद द्वारा इस उत्कृष्ट कार्य से एक 13 वर्षीय नाबालिग की अस्मत असामाजिक तत्वों के हाथ में पड़ने से पहले ही उन्होंने सतर्कता के साथ बचा लिया गया जो न केवल एक साहसिक पहल है, बल्कि टिकट चेकिंग स्टॉफ के लिए गर्व का विषय है. उन्होंने रेलवे की सतर्कता और मानवीयता की मिसाल पेश की है. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने शेख शाहिद द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह साहसिक व संवेदनशील कार्य न केवल रेलवे की छवि को गौरवान्वित करता है, बल्कि अन्य कर्मचारियों के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत है.

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे स्वच्छ सुंदर बस डिपो अभियान तिरोड़ा बस डिपो को प्रथम स्थान

गोंदिया-हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे स्वच्छ सुंदर बस डिपो अभियान के अंतर्गत, तिरोड़ा बस डिपो ने नागपुर संभाग में श्रेणी ब में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. जनवरी से मार्च 2025 तक राज्य के सभी बस डिपो का सर्वेक्षण किया गया. जिसमें तिरोड़ा बस डिपो को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ. इसने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए नागपुर संभाग में स्थान प्राप्त किया. इस अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय अधिकारियों का एक दल निरीक्षण के लिए तिरोड़ा बस डिपो पहुंचा. इस दौरान उन्होंने ने स्वच्छता, प्रबंधन और हरित पहलों का विस्तृत अवलोकन किया. तिरोड़ा को शौचालयों की स्वच्छता के लिए 30 में से 30 अंक, बस स्टैंड प्रबंधन के लिए 50 में से 47 अंक और हरित बस स्टैंड के लिए 20 में से 20 अंक मिले. जिसके कारण तिरोड़ा को 100 में से 97 अंक प्राप्त हुए. इस सफलता के पीछे बस डिपो व्यवस्थापक संजना पटले और उनकी मेहनती टीम का अथक परिश्रम है. इस उपलब्धि के बाद संजना पटले ने कहा कि इस सम्मान का श्रेय मेरी पूरी टीम को जाता है. हमने लगातार स्वच्छता, व्यवस्था और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है. हमारा लक्ष्य भविष्य में भी तिरोड़ा बस डिपो को राज्य के सर्वश्रेष्ठ बस डिपो में शामिल करना है. उन्होंने आगे कहा कि बस डिपो पर स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, महिलाओं के लिए अलग शौचालय और हरा-भरा वातावरण बनाए रखने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. यात्रियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर समय-समय पर सुधार भी किए जा रहे हैं. %ग्रीन बस डिपो% की पहचान क्षेत्र में पौधारोपण और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण बनी. महेंद्र नेवारे ने मार्गदर्शन देना जारी रखा, क्योंकि वे उस क्षेत्र के निवासी थे और क्षेत्र में डिपो के विकास में उनकी रुचि थी, यह उल्लेखनीय है.किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा. हम किसी भी असुविधा से बचने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं.

पुल की रेलिंग टूटी, मरम्मत जरूरी, डव्वा नाले पर बना पुल खतरनाक

गोंदिया-सड़क अर्जुनी तहसील के कोहमारा-गोंदिया मार्ग पर डव्वा गांव के पास एक संकरा पुल है और इस पुल की रेलिंग भी टूट गई है. परिणामस्वरूप, यह पुल यात्रियों के लिए खतरनाक बनता जा रहा है. संबंधित विभाग को इस ओर ध्यान देकर पुल की तुरंत मरम्मत करानी चाहिए. इनकार नहीं किया जा सकता. इस संकरे अन्यथा, किसी बड़े हादसे की संभावना से पुल की ऊंचाई कम है. साथ ही, एक तरफ की रेलिंग भी टूटी हुई है. क्योंकि इस पुल के दोनों ओर पेड़ और झाड़ियां उग आई है, इसलिए वाहन चालक और राहगीर पुल दिखाई नहीं पड़ता. परिणामस्वरूप, यहां कभी भी खतरा हो सकता है. गोंदिया, नागपुर, चंद्रपुर, हैदराबाद, रायपुर की ओर जाने वाले वाहन इसी मार्ग से चलते हैं. लेकिन, कोहमारा से मुंडीपार तक सड़क की चौड़ाई नहीं बढ़ी है. सड़क के दोनों ओर पेड़ और झाड़ियां हैं. इस मार्ग पर, डव्वा के पास केवल एक संकरा, कम ऊंचाई वाला और बिना सहारे वाला पुल है, जो पुल के दोनों ओर उगे पेड़ों और झाड़ियों के कारण दिखाई नहीं देता. परिणामस्वरूप, इस पुल पर दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इस पुल की ऊंचाई कम है, इसलिए भारी बारिश होने पर इस पुल के ऊपर से पानी बहता है. परिणामस्वरूप, कुछ समय के लिए यातायात बाधित होता है. इससे पहले मानसून के दौरान, इसी पुल पर पीछे से आ रहे एक कंटेनर ने एक ट्रैक्टर को टक्कर मार दी थी और ट्रैक्टर पुल के नीचे गिर गया था. इस दुर्घटना में दो पुरुष और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी. तब से, इस पुल पर और कोहमारा से मुंडीपार तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी है.

जिले में कम्युनिटी पुलिसिंग में सालेकसा तहसील प्रथम विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक व स्वास्थ्य जैसी शिविर

सालेकसा -भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से जिले में सबसे बड़े पुलिस थाने के रुप में पहचाने जाने वाले सालेकसा पुलिस थाने को दादालोरा खिड़की योजना अंतर्गत कम्युनिटी पुलिसिंग के लिए जिले में प्रथम पुरस्कार मिला है. पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, आमगांव पुलिस उपविभागीय अधिकारी प्रमोद मडामे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक भूषन बुराडे के नेतृत्व में सालेकसा पुलिस थाना द्वारा दादालोरा खिड़की योजना के तहत लगातार आयोजित किए जा रहे विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, जनजागरण कार्यक्रम, नौकरी सम्मेलन के माध्यम से आदिवासी बहुल तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है. इसके लिए हर माह जिला पुलिस द्वारा स्पर्धा का आयोजन किया जाता है. जिसमें चार महीने के अंतराल में लगातार दूसरी बार सालेकसा पुलिस को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है. पुलिस थाने को 5,000 रु. नगद पुरस्कार व अर्ध शासकीय सम्मान पत्र से सम्मानित किया जाएगा. इस स्पर्धा में द्वितीय स्थान सशस्त्र दूरक्षेत्र गोठनगांव को 3,000 रु. नगद व अर्ध शासकीय पत्र व तृतीय स्थान सशस्त्र दूरक्षेत्र मुरकुटडोह को 2,000 रु. नगद तथा अर्ध शासकीय पत्र प्राप्त होगा. पुलिस थाना क्षेत्र में कम्युनिटी पुलिसिंग के प्रभावी क्रियान्वन के लिए पुलिस उपनिरीक्षक मयूरी नागदेवे, हेड कांस्टेबल विशाल जनबंधु, कल्पना रहांगडाले ने परिश्रम किया.

जाहिर सुचना

श्रीमती विमलाबाई जौ.प्रल्हाद चौरे इनके नाम से नगर परिषद रिकार्ड में नाम दर्ज है। जिसका वार्ड क्रमांक ३७, वार्ड का नाम कस्तुरबा वार्ड, मालमत्ता क्रमांक ३७/९९ है। उक्त मालमत्ताधारक का निधन दिनांक / / को हो चुका है। इनके निधन के उपरांत इनके वारस १.सुनील वल्द प्रल्हाद चौरे, २. श्रीमती योजनाबाई जौ.मनोज बागडे इन्होने वारसान आधार पर हस्तांतरण हेतू आवेदन सादर किया है। हस्तांतरण पर आक्षेप हो तो यह सुचना प्रकाशित होने के पश्चात १५ दिनों के भितर अपना आक्षेप इस कार्यालय में प्रमाणित दस्तावेज सहित प्रस्तुत करेंगे। आक्षेप प्राप्त न होने पर हस्तांतरण की कार्यवाही की जायेगी ।

मुख्याधिकारी
नगर परिषद गोंदिया

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।